कांधे पे दोनाली हो जोड़े में माँ काली हो

कांधे पे दोनाली हो,
जोड़े में माँ काली हो,
फेर चाले चाले चाले,
बोरी अकड़ क न र।bd।

नहीं किसे के रोके रुकता,
एक नागे की ज्योत प झुकता,
बोतल देशी आली हो,
जोड़े में माँ काली हो,
फेर चाले चाले चाले,
बोरी अकड़ क न र।bd।

घोड़े का असवार कसुता,
पीर मेरा दिलदार कसुता,
पेशी झूमन आली हो,
जोड़े में माँ काली हो,
फेर चाले चाले चाले,
बोरी अकड़ क न र।bd।

खाकी खंडवा तुरा छोड़या,
धरे बेरी की नाड प गोड़ा,
चाले चाल निराली हो,
जोड़े में माँ काली हो,
फेर चाले चाले चाले,
बोरी अकड़ क न र।bd।

काली की किलकार पडेजा,
अशोक भगत नये छंद घड़े जा,
सिर पे पीर रुखाली हो,
जोड़े में माँ काली हो,
फेर चाले चाले चाले,
बोरी अकड़ क न र।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कांधे पे दोनाली हो,
जोड़े में माँ काली हो,
फेर चाले चाले चाले,
बोरी अकड़ क न र।bd।

गायक – मुकेश जी शर्मा।
प्रेषक – दीपक सोनी।
9255910203

You Can Watch Here

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com